यूथ आइकॉन

'युवा'

- आकाश अंबानी
- पार्थ जिंदल
- करण अदाणी
- आदित्य चोपड़ा
- रितेश अग्रवाल
- अमिरा शाह
- बैज्यू रविंद्रन
- नारायण कृष्णन
- अनिल प्रधान
- तेजस्वी सूर्या
- अभिनव लाल
- अक्षय मारवाह
- डॉ दिनेश चंद्रा
- लव रंजन
- चित्रा त्रिपाठी
- मानसी गुलाटी
- सिद्धार्थ मोहन
- उत्कर्ष गुप्ता
- साहिल मल्लिक
- चैतन्या हिरेमथ
- ओडेली राय
- विद्या लाल
- जया किशोरी
- मनु भाकर
- ध्रुव वंडवाल

सरोकार

★★★★★

यूथ आइकॉन "युवा" के इस सर्वे में फेम इंडिया मैगजीन – एशिया पोस्ट सर्वे ने नॉमिनेशन में आये 300 से भी अधिक नामों को विभिन्न मानदंडों पर परखा, जिसमें सामाजिक स्थिति, प्रतिष्ठा, आर्थिक व राजनीतिक व्यवस्था पर प्रभाव, छवि, उद्देश्य और प्रयास जैसे दस मानदंडों को आधार बना कर किये गये स्टेकहोल्डर सर्वे में अखिल प्रधान "सरोकार" श्रेणी में प्रमुख स्थान पर हैं।

फेम इंडिया एशिया पोस्ट सर्वे 2019 यूथ आइकॉन "युवा" सर्वे रिपोर्ट (विभिन्न क्षेत्रों के 18320 प्रबुद्ध लोगों की राय)

अनिल प्रधान हैं शिक्षा की दुनिया के रियल लाइफ हीरो

ओडीशा के नजदीक 42 मौजा गांव में पैदा हुए अनिल का बचपन काफी अभावों से भरा था। उन्हें स्कूल जाने के लिए भी हर रोज 12 किलोमीटर साइकिल खींचनी पड़ती थी। इतना ही नहीं खराब और ऊबड़खाबड़ रास्तों के कारण साइकिल बार बार खराब होती जिसे ठीक करते-करते उनमें तकनीकि के प्रति लगाव पैदा हो गया। उन्होंने संबलपुर के वीर सुरेन्द्र साई प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की जिसके बाद रोबोटिक सोसाइटी तक पहुंचे। वह सबसे पहले तब सुर्खियों में आए जब उन्हें दुनिया के सबसे लंबे मानव निर्मित हीराकुंड बांध की निगरानी करने वाला सैटेलाइट बनाने वाली टीम में शामिल किया गया। उन्होंने बिजली के खंभों पर चढ़कर खतरनाक कामों को अंजाम देने वाले रोबोट को तैयार करने में भी बड़ी भूमिका निभाई।

प्रधान को मशहूर थ्री-इडियट फिल्म के प्रमुख किरदार का रियल लाइफ वर्जन कहा जाता है जो इंजीनियरिंग की पढ़ाई के बाद बच्चों में तकनीक की समझ और रुचि विकसित करने के लिए गांव में जाकर स्कूल खोलता है। अनिल ने भी बराल गांव में ऐसा ही स्कूल शुरू किया जहां उन्होंने बच्चों के लिए ज्ञान पर किताबों और बस्ते की कोई बंदिश नहीं होती। इसे उन्होंने इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल ऑफ रूरल इनोवेशन का नाम दिया। 2.5 एकड़ में बने इस स्कूल को उन्हें स्कॉलरशिप और दूसरे पुरस्कारों से मिली रकम से तैयार कराया है। उन्हें देश के सबसे प्रतिभाशाली दस छात्रों में शामिल किया गया और समाज में उनके योगदान के लिए उन्हें 2018 के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय यूथ आइकॉन अवॉर्ड से भी सम्मानित किया जा चुका है। उनकी प्रतिभा को देखते हुए उन्हें नेशनल काउंसिल फॉर साइंस म्यूजियम और अटल टिंकरिंग लैब में मेंटर बनाया गया है।

बच्चों की शिक्षा में क्रांतिकारी और क्रियात्मक प्रयोगों के मामले में अनिल प्रधान अपनी अलग पहचान बना चुके हैं। महज 22 साल की छोटी उम्र में ही उन्होंने वो कर दिखाया जो पहले किसी ने नहीं किया था।